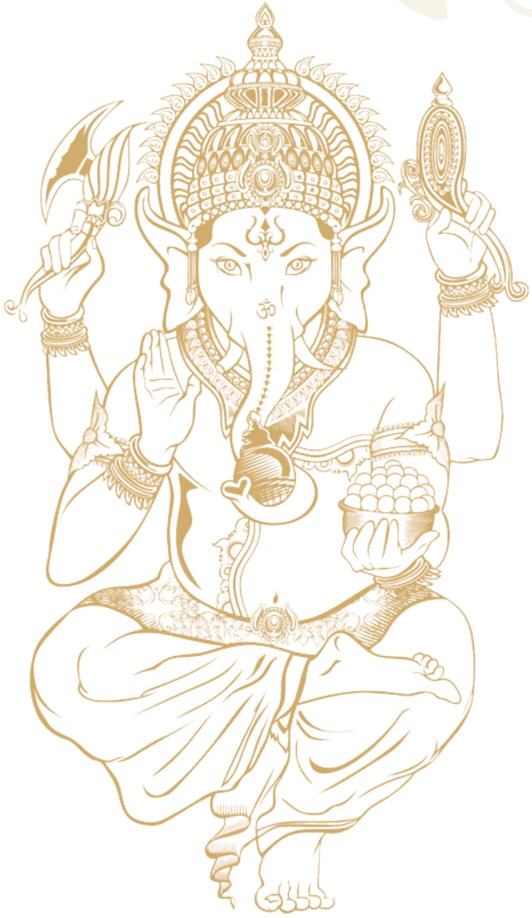

Sh.G.K.Sharma

06 Sep 1950

01:52 AM

Simla

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119304210

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
5-06/09/1950	जन्म तिथि	**06/09/2025**
मंगल-बुधवार	दिन	शनिवार
घंटे 01:52:00	जन्म समय	07:03:39 घंटे
घटी 49:41:51	जन्म समय(घटी)	02:38:18 घटी
India	देश	India
Simla	स्थान	Simla
उत्तर 31:06:00	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
पूर्व 77:10:00	रेखांश	77:10:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:20	स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:59:15	सूर्योदय	06:00:19
18:39:26	सूर्यास्त	18:38:23
23:10:06	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:01
मिथुन	लग्न	कन्या
बुध	लग्न लग्नाधिपति	बुध
मिथुन	राशि	मकर
बुध	राशि-स्वामी	शनि
मृगशिरा	नक्षत्र	धनिष्ठा
मंगल	नक्षत्र स्वामी	मंगल
4	चरण	2
सिद्धि	योग	अतिगण्ड
गर	करण	गर
की-किशोर	जन्म नामाक्षर	गी-गीता
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या
शूद्र	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	जलचर
सर्प	योनि	सिंह
देव	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	मध्य
मार्जार	वर्ग	मार्जार
75	गत/तत्कालिक वर्ष	76

जन्म - विवरण | वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
पुनर्वसु	2	26:22:46	मिथु			लग्न			कन्या	02:18:50	2	उ०फाल्गुनी
पू०फाल्गुनी	2	19:31:06	सिंह			सूर्य			सिंह	19:31:06	2	पू०फाल्गुनी
मृगशिरा	4	03:31:52	मिथु			चंद्र			मक	27:32:48	2	धनिष्ठा
विशाखा	1	23:19:09	तुला			मंगल			कन्या	24:59:54	1	चित्रा
उ०फाल्गुनी	4	09:04:52	कन्या	व	अ	बुध		अ	सिंह	12:33:10	4	मघा
शतभिषा	1	07:56:44	कुंभ	व		गुरु			मिथु	24:32:42	2	पुनर्वसु
मघा	1	01:37:45	सिंह			शुक्र			कर्क	19:26:19	1	आश्लेषा
उ०फाल्गुनी	1	28:13:59	सिंह		अ	शनि	व		मीन	05:26:46	1	उ०भाद्रपद
उ०भाद्रपद	1	05:19:32	मीन	व		राहु	व		कुंभ	24:07:30	2	पू०भाद्रपद
उ०फाल्गुनी	3	05:19:32	कन्या	व		केतु	व		सिंह	24:07:30	4	पू०फाल्गुनी
आर्द्रा	3	15:37:29	मिथु			मु			कन्या	26:22:46	1	चित्रा

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:01

लग्न-चलित

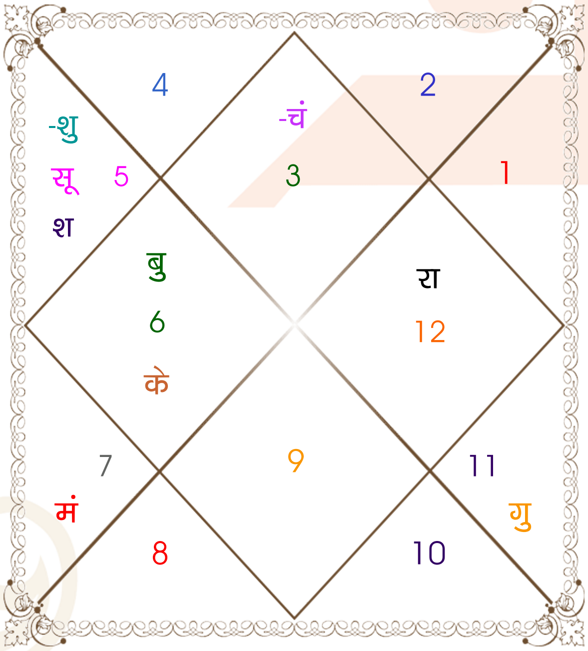

वर्ष लग्न कुंडली

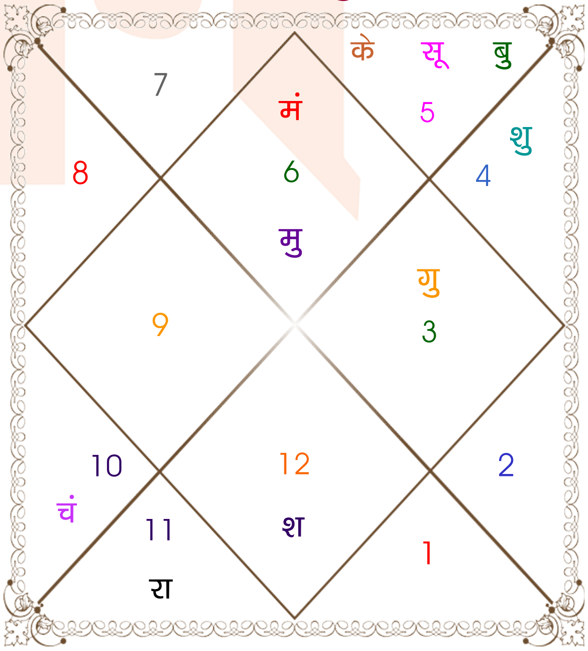

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

केतु - राहु - शनि
16/07/2025 19:03
15/09/2025 12:24

शनि	26/07/2025 09:48
बुध	04/08/2025 00:16
केतु	07/08/2025 13:16
शुक्र	17/08/2025 16:10
सूर्य	20/08/2025 17:02
चंद्र	25/08/2025 18:29
मंगल	29/08/2025 07:29
राहु	07/09/2025 10:06
गुरु	15/09/2025 12:24

केतु - राहु - बुध
15/09/2025 12:24
08/11/2025 20:21

बुध	23/09/2025 05:08
केतु	26/09/2025 09:12
शुक्र	05/10/2025 10:31
सूर्य	08/10/2025 03:43
चंद्र	12/10/2025 16:23
मंगल	15/10/2025 20:26
राहु	24/10/2025 00:02
गुरु	31/10/2025 05:53
शनि	08/11/2025 20:21

केतु - राहु - केतु
08/11/2025 20:21
01/12/2025 05:16

केतु	10/11/2025 03:40
शुक्र	13/11/2025 21:09
सूर्य	15/11/2025 00:00
चंद्र	16/11/2025 20:45
मंगल	18/11/2025 04:04
राहु	21/11/2025 12:36
गुरु	24/11/2025 12:11
शनि	28/11/2025 01:12
बुध	01/12/2025 05:16

केतु - राहु - शुक्र
01/12/2025 05:16
03/02/2026 03:19

शुक्र	11/12/2025 20:56
सूर्य	15/12/2025 01:39
चंद्र	20/12/2025 09:29
मंगल	24/12/2025 02:58
राहु	02/01/2026 17:04
गुरु	11/01/2026 05:37
शनि	21/01/2026 08:30
बुध	30/01/2026 09:50
केतु	03/02/2026 03:19

केतु - राहु - सूर्य
03/02/2026 03:19
22/02/2026 07:32

सूर्य	04/02/2026 02:20
चंद्र	05/02/2026 16:41
मंगल	06/02/2026 19:31
राहु	09/02/2026 16:33
गुरु	12/02/2026 05:55
शनि	15/02/2026 06:47
बुध	17/02/2026 23:59
केतु	19/02/2026 02:50
शुक्र	22/02/2026 07:32

केतु - राहु - चंद्र
22/02/2026 07:32
26/03/2026 06:33

चंद्र	24/02/2026 23:27
मंगल	26/02/2026 20:12
राहु	03/03/2026 15:15
गुरु	07/03/2026 21:31
शनि	12/03/2026 22:58
बुध	17/03/2026 11:37
केतु	19/03/2026 08:22
शुक्र	24/03/2026 16:12
सूर्य	26/03/2026 06:33

केतु - राहु - मंगल
26/03/2026 06:33
17/04/2026 15:28

मंगल	27/03/2026 13:53
राहु	30/03/2026 22:25
गुरु	02/04/2026 22:00
शनि	06/04/2026 11:01
बुध	09/04/2026 15:05
केतु	10/04/2026 22:24
शुक्र	14/04/2026 15:53
सूर्य	15/04/2026 18:44
चंद्र	17/04/2026 15:28

केतु - गुरु - गुरु
17/04/2026 15:28
02/06/2026 02:21

गुरु	23/04/2026 16:55
शनि	30/04/2026 21:39
बुध	07/05/2026 08:11
केतु	09/05/2026 23:49
शुक्र	17/05/2026 13:38
सूर्य	19/05/2026 20:11
चंद्र	23/05/2026 15:05
मंगल	26/05/2026 06:43
राहु	02/06/2026 02:21

केतु - गुरु - शनि
02/06/2026 02:21
26/07/2026 01:46

शनि	10/06/2026 15:28
बुध	18/06/2026 06:59
केतु	21/06/2026 10:33
शुक्र	30/06/2026 10:27
सूर्य	03/07/2026 03:13
चंद्र	07/07/2026 15:10
मंगल	10/07/2026 18:44
राहु	18/07/2026 21:03
गुरु	26/07/2026 01:46

केतु - गुरु - बुध
26/07/2026 01:46
12/09/2026 08:50

बुध	01/08/2026 21:58
केतु	04/08/2026 17:35
शुक्र	12/08/2026 18:46
सूर्य	15/08/2026 04:43
चंद्र	19/08/2026 05:18
मंगल	22/08/2026 00:55
राहु	29/08/2026 06:46
गुरु	04/09/2026 17:19
शनि	12/09/2026 08:50

केतु - गुरु - केतु
12/09/2026 08:50
02/10/2026 06:06

केतु	13/09/2026 12:40
शुक्र	16/09/2026 20:13
सूर्य	17/09/2026 20:05
चंद्र	19/09/2026 11:51
मंगल	20/09/2026 15:41
राहु	23/09/2026 15:17
गुरु	26/09/2026 06:55
शनि	29/09/2026 10:29
बुध	02/10/2026 06:06

केतु - गुरु - शुक्र
02/10/2026 06:06
28/11/2026 01:42

शुक्र	11/10/2026 17:22
सूर्य	14/10/2026 13:32
चंद्र	19/10/2026 07:10
मंगल	22/10/2026 14:43
राहु	31/10/2026 03:15
गुरु	07/11/2026 17:04
शनि	16/11/2026 16:58
बुध	24/11/2026 18:09
केतु	28/11/2026 01:42

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह पूर्वक सम्पन्न करेंगे। मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस वर्ष में आपको समस्त भौतिक सुख संसाधनों की प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप उनका उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सुगन्धित द्रव्य, मोती आदि रत्न तथा अन्य ऐश्वर्यशाली पदार्थो को आर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। पारिवारिक जीवन इस समय आपका खुशहाल रहेगा तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से इच्छित सुख तथा सहयोग अर्जित करेंगे। साथ ही उनका स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा। आर्थिक दृष्टि से वर्ष अत्यंत ही महत्वपूर्ण रहेगा तथा आय स्रोतों में वृद्धि कर के आप इच्छित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करेंगे। जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। मित्रों एवं संबन्धियों से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे एवं उनसे इच्छित सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपको आवास या भूमि संबंधी लाभ भी प्राप्त होगा। साथ ही संतति प्राप्ति भी हो सकती है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपका विस्तार होगा या किसी नवीन कार्य को भी आप प्रारंभ करने में समर्थ रहेंगे जिससे आपके प्रचुर मात्रा में लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे। इस समय उच्चाधिकारी या राजनैतिक लोगों से आपके मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी उच्च एवं प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति हो सकती है। स्त्री वर्ग से भी आपकी मित्रता रहेगी तथा उनसे पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही धार्मिक नेताओं से भी सम्पर्क बनें रहेंगे। अतः इस वर्ष को आप अत्यंत सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में भी प्रसन्ता का भाव विद्य मान रहेगा। कार्य क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद के प्राप्ति की संभावना बनेगी। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित होता रहेगा। साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार करने तथा अन्य नवीन कार्यों को प्रारम्भ करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस वर्ष में आपके शत्रु निर्बल रहेंगे अतः चुनाव मुकद्दमे,व्यापारिक क्षेत्र या प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित होगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों अथवा सरकारी उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मात्रा में लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही समाज में आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय आपके समस्त रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्योदय संबधी कार्यो में भी वृद्धि होगी। साथ ही अन्य सांसारिक कार्यो में भी सफलता प्राप्त होगी एवं प्रसन्नता के समाचार भी मिलेंगे ।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपको संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी या उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही वाहन संबधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः आप अपने अधिकाशं समय को आनन्द पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।